Nai Dunia (Indore), 04th October 2022, Page – 08

स्वच्छता मानक तय करने में करेंगे मदद

स्थापना दिवस ● आइआइएम ने सेंटर फार एक्सीलेंस के तहत अपने लक्ष्य की जानकारी दी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर ने अपना 26वां स्थापना दिवस सोमवार को मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने किया। कनाडा और दक्षिण कोरिया के पूर्व राजदूत विष्णु प्रकाश मुख्य अतिथि थे। स्थापना दिवस पर संस्थान में सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना की घोषणा हुई। प्रो. हिमांशु राय ने कहा कि आइआइएम इंदौर में हमारा उद्देश्य प्रासंगिक बने रहना और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है। स्वच्छ भारत मिशन में योगदान करने के लिए हमने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के साथ हाथ मिलाया है और 19.95 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि संस्थान ने सेंटर आफ एक्सीलेंस के तहत पाठ्यक्रमों की पेशकश करने के लिए पांच विदेशी शैक्षिक संस्थाओं डेनवर विश्वविद्यालय, रटगर्स विश्वविद्यालय लासगो विश्वविद्यालय, लिवरपूल विश्वविद्यालय और बोकोनी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया है। सेंटर आफ एक्सीलेंस महापौरों और वार्ड पार्षदों सहित राजनीतिक अग्रणियों के लिए उनकी क्षमता, कौशल और संवेदनशीलता का निर्माण करने के लिए दस दिवसीय पाठ्यक्रम को प्रायोजित करेगा। इन प्रतिभागियों को आइआइएम इंदौर में पांच दिवसीय माड्यूल में भाग लेने का मौका मिलेगा। इसके बाद हमारे सहयोगी विश्वविद्यालयों में से एक में पांच दिवसीय माड्यूल में वे शामिल हो सकेंगे। हम लोगों में व्यवहार परिवर्तन पर जानकारी तैयार करेंगे उन्हें स्वच्छता के लिए पैरामीटर तय करने में मदद करेंगे।

आइआइएम के समारोह में डायरेक्टर में हिमांशु राय एवं अन्य। ● सौ. संस्थान

हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है : राजदूत विष्णु प्रकाश ने कहा कि भारत ने दो तरह की चुनौतियों का सामना किया है। एक है आतंकवाद और दूसरा है ग्लोबल वार्मिंग। हम विकट परिस्थितियों को संभालने में सक्षम हैं और आज हम ऐसे राष्ट्र हैं जिसने हमारी स्थिरता पहल को बढ़ाने और मजबूत करने में उदाहरण स्थापित किया है। हम उभरते स्टार्टअप और यूनिकार्न के साथ बढ़ रहे हैं।

अयोध्या के लिए स्वच्छता गान बनाया

आइआइएम इंदौर आइआइटी इंदौर के साथ उन युवाओं के लिए एक इन्क्यूबेशन सेंटर भी स्थापित करेगा जो स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में उद्यम शुरू करना चाहते हैं। इस अवसर पर प्रो. गणेश कुमार निद्गुला, प्रो. श्रुति तिवारी, प्रो. अमित वत्स और प्रो. वैजयंती आनंद ने भी सेंटर आफ एक्सीलेंस के बारे में अपने विचार साझा किए। चार प्रोफेसरों की इस टीम का नेतृत्व प्रो. हिमांशु राय कर रहे हैं।